दृष्टि The Vision

करेंट अफेयर्स उत्तर प्रदेश

मार्च (संग्रह)

2022

दृष्टि, 641, प्रथम तल, डॉ. मुखर्जी नगर, दिल्ली-110009

फोन: 8750187501

ई-मेल: online@groupdrishti.com

अनुक्रम

उत्तर प्रदेश **3**

- विधायक हो रहे अमीर : एडीआर 3
- त्वरित सुनवाई हर अभियुक्त का अधिकार 3
- उत्तर प्रदेश की आरती राणा और नीरजा माधव 'नारी शक्ति पुरस्कार'से सम्मानित 4
- उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव, 2022 4
- हिन्दी साहित्य सम्मेलन 5
- अमर उजाला वुमेन अचीवर्स अवार्ड 5
- मुख्यमंत्री ने गोरखपुर से किया पोलियो अभियान का शुभारंभ 6
- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने छोड़ी विधानपरिषद की सदस्यता 6
- उत्तर प्रदेश विधानसभा के प्रोटेम स्पीकर की नियुक्ति 6
- योगी आदित्यनाथ लगातार दूसरी बार बने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री 7
- उड़ान-आरसीएस के अंतर्गत वाराणसी-गोरखपुर के बीच दैनिक सीधी उड़ान का शुभारंभ 7
- कल्याण सिंह को मरणोपरांत मिला पद्म विभूषण 8
- उत्तर प्रदेश की छह जातियों को एसटी में शामिल करने का विधेयक पेश 8
- तीसरा राष्ट्रीय जल पुरस्कार : उत्तर प्रदेश सर्वश्रेष्ठ राज्य 9
- उत्तर प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष बने सतीश महाना 10
- लोक निर्मला सम्मान-2022 10

नोट :

उत्तर प्रदेश

विधायक हो रहे अमीर : एडीआर

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में जारी एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) और उत्तर प्रदेश इलेक्शन वॉच की एक रिपोर्ट के अनुसार विधानसभा के लिये फिर से चुनाव लड़ रहे मौज़ूदा विधायकों की संपत्ति 220.57 प्रतिशत तक बढ़ गई है।

प्रमुख बिंदु

- एडीआर ने 2022 के यूपी विधानसभा चुनाव में फिर से चुनाव लड़ने वाले 301 विधायकों/एमएलसी के स्व-शपथ पत्रों का विश्लेषण करने के बाद यह रिपोर्ट बनाई है।
- रिपोर्ट के अनुसार, दोबारा चुनाव लड़ रहे 301 विधायकों/एमएलसी में से 284 एमएलए/एमएलसी की संपत्ति 0 फीसदी से बढ़कर 220.57 फीसदी और 17 एमएलए/एमएलसी की संपत्ति -1 फीसदी से घटकर -36 फीसदी हो गई है।
- रिपोर्ट के अनुसार, निर्दलीय सहित विभिन्न दलों द्वारा फिर से चुनाव लड़ रहे इन 301 विधायकों/एमएलसी की औसत संपत्ति 2017 में 5.68 करोड़ रुपए थी, जो 2022 में बढ़कर 8.87 करोड़ रुपए हो गई है।
- 2017 और 2022 के राज्य चुनावों के बीच इन विधायकों/एमएलसी की औसत संपत्ति वृद्धि 3.18 करोड़ रुपए है, जबकि इन फिर से चुनाव लड़ने वाले नेताओं की संपत्ति में औसत प्रतिशत वृद्धि 56 प्रतिशत है।
- सबसे अधिक संपत्ति वृद्धि वाले शीर्ष विधायक/एमएलसी मुबारकपुर सीट से ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के शाह आलम (गुड्डू जमाली) हैं, जिनकी संपत्ति 2017 के 77.09 करोड़ रुपए से बढ़कर 2022 में 195.85 करोड़ रुपए (65 प्रतिशत की वृद्धि) हो गई है।

त्वरित सुनवाई हर अभियुक्त का अधिकार

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में उच्चतम न्यायालय ने आगरा सेंट्रल ज़ेल में 14 वर्षों से बंद 12 उम्रकैदियों की याचिका पर उत्तर प्रदेश को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। ऐसे में त्वरित सुनवाई का अधिकार एवं न्यायिक देरी का मुद्दा पुन: चर्चा में आ गया है।

प्रमुख बिंदु

- उच्चतम न्यायालय के न्यायमूर्ति इंदिरा बनर्जी और जे.के. माहेश्वरी की पीठ ने यह नोटिस जारी किया है।
- उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश की आगरा सेंट्रल ज़ेल में बंद 14 साल से ज़्यादा की सज़ा भुगत चुके 12 उम्रकैदियों ने रिहाई और ज़मानत के लिये उच्चतम न्यायालय का दरवाज़ा खटखटाया था। इन कैदियों की अपीलें उच्च न्यायालय में वर्षों से लंबित हैं।
- उत्तर प्रदेश में उम्रकैद की सज़ा पाए अभियुक्तों के 14 वर्ष से ज़्यादा कैद भुगत चुके और अपील पर सुनवाई न होने का यह पहला मामला नहीं है।
- गत 25 फरवरी को भी मुख्य न्यायाधीश एन.वी. रमना की अध्यक्षता वाली पीठ ने एक ऐसे ही मामले में 14 वर्ष से ज़्यादा सज़ा भुगत चुके और 10 वर्ष से ज़मानत अर्ज़ी और अपील उच्च न्यायालय में लंबित होने के तथ्य का संज्ञान लेते हुए अभियुक्त रितु पाल को ज़मानत दे दी थी।

नोट :

उत्तर प्रदेश की आरती राणा और नीरजा माधव 'नारी शक्ति पुरस्कार'से सम्मानित

चर्चा में क्यों ?

- 8 मार्च, 2022 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने महिला सशक्तीकरण की दिशा में असाधारण कार्य करने वाली उत्तर प्रदेश की आरती राणा और नीरजा माधव को 'नारी शक्ति पुरस्कार'से सम्मानित किया।

प्रमुख बिंदु

- राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक विशेष समारोह में राष्ट्रपति ने 29 महिलाओं को नारी शक्ति पुरस्कार प्रदान किया। वर्ष 2020 और 2021 के लिये 14-14 पुरस्कार दिये गए तथा एक पुरस्कार संयुक्त रूप से दो महिलाओं को प्रदान किया गया।
- ये पुरस्कार उद्यमशीलता, कृषि, नवाचार, सामाजिक कार्य, कला, दस्तकारी, वन्यजीव संरक्षण, भाषा विज्ञान, मर्चेंट नेवी, शिक्षा, साहित्य, स्टेम (विज्ञान, तकनीक, इंजीनियरिंग, गणित) और दिव्यांगजन अधिकार के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाली महिलाओ को दिये गए।
- उत्तर प्रदेश की आरती राणा को वर्ष 2020 के लिये तथा नीरजा माधव को वर्ष 2021 के लिये नारी शक्ति पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- आरती राणा उत्तर प्रदेश के खीरी की एक हथकरघा बुनकर और शिक्षिका हैं, उन्होंने 800 से अधिक थारू महिलाओं को शिल्प का प्रशिक्षण दिया है और 150 महिला स्वयं सहायता समूहों की स्थापना की है।
- हिन्दी लेखिका नीरजा माधव को हिन्दी साहित्य के माध्यम से हाशिये के लोगों के लिये उनके काम के सम्मान में नारी शक्ति पुरस्कार प्रदान किया। उन्होंने हिजड़ों और तिब्बती शरणार्थियों के लिये विश्वशांति, अधिकारों और आरक्षण को बढ़ावा दिया है।
- उल्लेखनीय है कि कमज़ोर और हाशिये पर रहने वाली महिलाओं के सशक्तीकरण की दिशा में असाधारण और उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओ को हर वर्ष नारी शक्ति पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है। कोरोना महामारी के कारण 2020 का नारी शक्ति पुरस्कार समारोह आयोजित नहीं हो पाया था।

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव, 2022

चर्चा में क्यों ?

- 10 मार्च, 2022 को उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में निर्वाचन आयोग ने राज्य की 403 सीटों पर चुनाव परिणाम घोषित कर दिये, जिनमें भारतीय जनता पार्टी ने अपने सहयोगियों के साथ 273 सीटों पर जीत दर्ज कर पूर्ण बहुमत हासिल कर लिया है।

प्रमुख बिंदु

- चुनाव आयोग के मुताबिक, प्रदेश की सभी 403 सीटों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 255 सीटों पर जीत दर्ज की है। इसके अलावा, भाजपा के सहयोगी अपना दल (सोनेलाल) ने 12 सीटों पर तथा निर्बल इंडियन शोषित हमारा आम दल (निषाद) ने 6 सीटों पर जीत हासिल की है।
- राज्य की मुख्य विपक्षी समाजवादी पार्टी (सपा) ने 111 सीटों पर जीत दर्ज कर दूसरे स्थान पर रही। सपा के सहयोगी राष्ट्रीय लोकदल ने 8 और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी ने 6 सीटों पर जीत दर्ज की।
- राष्ट्रीय लोक दल (रालोद) ने 8 तथा सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी ने 6 सीटों पर जीत दर्ज की। 2 सीटें जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के खाते में गईं।
- कॉन्ग्रेस दो सीटें ही जीत पाई है, जबकि कभी उत्तर प्रदेश की एक बड़ी सियासी ताकत रही बहुजन समाज पार्टी (बसपा) मात्र एक सीट पर ही जीत हासिल कर सकी।
- इस बार उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में 4,442 उम्मीदवार मैदान में थे। इनमें 560 महिलाएँ थीं। इनमें से 33 महिला उम्मीदवार जीत का परचम लहराने में सफल रहीं। सबसे अधिक 25 महिलाएँ भारतीय जनता पार्टी से जीतीं। वहीं, समाजवादी पार्टी की 6 और कॉन्ग्रेस की एक महिला प्रत्याशी जीती। 2017 में 38 महिला प्रत्याशियों ने जीत हासिल की थी।

नोट :

हिन्दी साहित्य सम्मेलन

चर्चा में क्यों ?

- 12 से 13 मार्च, 2022 तक उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में हिन्दी साहित्य सम्मेलन का दोदिवसीय 73वाँ वार्षिक अधिवेशन आयोजित किया गया।

प्रमुख बिंदु

- उल्लेखनीय है कि सम्मेलन के 111 साल के इतिहास में अब तक 7 बार प्रयागराज में अधिवेशन किया गया है। यहाँ अंतिम बार अधिवेशन 1994 में किया गया था।
- इस अधिवेशन में साहित्य और राष्ट्रभाषा परिषद पर दो सत्रों में परिसंवाद किया गया।
- साहित्य परिषद के तहत प्रथम सत्र 'स्वतंत्रता आंदोलन में साहित्य की भूमिका'पर विभिन्न साहित्यकारों ने अपने-अपने विचार रखे।
- द्वितीय सत्र में राष्ट्रभाषा परिषद के तहत 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति और राष्ट्रभाषा'विषय पर विमर्श किया गया।
- देशभर से आए विद्वानों ने हिन्दी भाषा को रोज़गार से जोड़ने पर जोर देते हुए कहा कि हिन्दी के पढ़े व्यक्ति को रोज़गार मिलेगा तो उसकी स्वीकार्यता भी बढ़ेगी।

अमर उजाला वुमेन अचीवर्स अवार्ड

चर्चा में क्यों ?

- 16 मार्च, 2022 को उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने लखनऊ में सुशांत गोल्फ सिटी स्थित होटल सेंट्रम में आयोजित अमर उजाला वुमेन अचीवर्स अवार्ड समारोह में समाज सेवा, चिकित्सा, स्वास्थ्य, शिक्षा, साहित्य के क्षेत्र में विशिष्ट भूमिका निभाने वाली महिलाओं को सम्मानित किया।

प्रमुख बिंदु

- सम्मानित होने वाली महिलाओं को बधाई देते हुए राज्यपाल ने कहा कि हर महिला को आर्थिक रूप से सशक्त होने और स्वावलंबी बनने का अवसर मिलना चाहिये। महिलाओं की प्रतिष्ठा व बराबरी के दर्जे में कोई कमी नहीं आनी चाहिये, क्योंकि वे परिवार में विशिष्ट भूमिका अदा करती हैं।
- अमर उजाला वुमेन अचीवर्स अवार्ड से सम्मानित महिलाएँ हैं-
  - डॉ. मंदाकिनी प्रधान, हेड, मेटरनल एंड रिप्रोडक्टिव हेल्थ डिपार्टमेंट, एजीपीजीआई, लखनऊ
  - डॉ. विद्या बिंदु सिंह, पदमश्री के लिये नामांकित, वरिष्ठ हिन्दी साहित्यकार
  - पुष्पा बेलानी, कंपनी सेक्रेटरी, जीएम एचआर, लीगल हेड और सीपीआरओ, उत्तर प्रदेश मेट्रो
  - मधु भार्गव, सामाजिक कार्यकर्त्ता और सामाजिक उद्यमी
  - इं. पूजा अग्रवाल, प्रति कुलपति, श्री रामस्वरूप मेमोरियल विश्वविद्यालय
  - डॉ. राजुल त्यागी, संस्थापक जावित्री हॉस्पिटल
  - सुनीता सिंह, निदेशाक, दयाल ग्रुप एंड कुँवर ग्लोबल स्कूल
  - अस्मिता सिंह, कार्यकारी निदेशक, चंदन हॉस्पिटल
  - लोरी शुक्ला, प्रबंध निदेशक, रेस आईएएस
  - अपराजिता, सहनिदेशक, टाइम कोचिंग
  - डॉ. समता बाफला, कार्यकारी निदेशक, हिमालयन ग्रुप ऑफ कॉलेजेज
  - डॉ. हिमानी झा, फिजिशियन और डायबेटोलॉजिस्ट
  - डॉ. ऋचा मिश्रा, निदेशक-चेयर पर्सन, शेखर हॉस्पिटल/हिंद इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज
  - छवि रैतानी, संस्थापक प्रबंधक, गुरु कृपा डिवाइन स्कूल, बहराइच
  - नंदिनी गोयल, संस्थापक इनायत स्वयंसेवी संस्था

नोट :

मुख्यमंत्री ने गोरखपुर से किया पोलियो अभियान का शुभारंभ

चर्चा में क्यों ?

- 20 मार्च, 2022 को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में पाँच वर्ष तक की उम्र के बच्चों को पोलियो से बचाने के लिये गोरखपुर से पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ किया।

प्रमुख बिंदु

- एक हफ्ते तक चलने वाले इस अभियान के तहत पाँच साल तक की उम्र के 3.80 करोड़ बच्चों को पल्स पोलियो ड्रॉप पिलाई जाएगी। इसके लिये 1.10 लाख बूथ बनाए गए हैं। साथ ही 76 हज़ार सचल टीमें गठित की गई हैं।
- मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में 2012 के बाद से और भारत में 2011 के बाद से पोलियो का एक भी केस नहीं मिला है।
- गौरतलब है कि सामूहिकता के बल पर 'फोर टी' (ट्रेस, टेस्ट, ट्रीट और टीकाकरण) फॉर्मूले को अपनाकर उत्तर प्रदेश वैश्विक महामारी कोरोना के प्रबंधन में पूरे देश में अग्रणी है।
- उल्लेखनीय है कि भारत ने विश्व स्वास्थ्य सभा (WHA) के वैश्विक पोलियो उन्मूलन पहल के परिणामस्वरूप 2 अक्टूबर, 1994 को दिल्ली में पोलियो टीकाकरण की शुरुआत की थी तथा 1995 में पल्स पोलियो टीकाकरण (PPI) कार्यक्रम पूरे देश में शुरू किया गया।
- इस कार्यक्रम के तहत 5 वर्ष से कम आयु के सभी बच्चों को पोलियो समाप्त होने तक हर वर्ष ओरल पोलियो टीके (OPV) की दो खुराकें दी जाती हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने छोड़ी विधानपरिषद की सदस्यता

चर्चा में क्यों ?

- 21 मार्च, 2022 को उत्तर प्रदेश के निवर्तमान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपनी विधानपरिषद की सदस्यता से त्यागपत्र दे दिया।

प्रमुख बिंदु

- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा यह त्यागपत्र हाल ही में संपन्न हुए विधानसभा चुनावों में गोरखपुर (शहरी) सीट से निर्वाचित होने के पश्चात् दिया गया है।
- हाल ही में संपन्न चुनावों में भाजपा के 255 सीटें जीतने से आदित्यनाथ पिछले 37 वर्षों में उत्तर प्रदेश में एक कार्यकाल पूरा करने के बाद दोबारा सत्तारूढ़ होने वाले पहले मुख्यमंत्री होंगे। इसके लिये 25 मार्च को वे मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेंगे।
- उल्लेखनीय है कि योगी आदित्यनाथ पिछले दो दशकों में ऐसे पहले मुख्यमंत्री होंगे, जो विधानसभा के सदस्य होगे, न कि विधानपरिषद के। विधानसभा सदस्यता वाले उत्तर प्रदेश के अंतिम मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव थे, जब उन्होंने वर्ष 2003 में गुन्नौर सीट से चुनाव जीता था।

उत्तर प्रदेश विधानसभा के प्रोटेम स्पीकर की नियुक्ति

चर्चा में क्यों ?

- 23 मार्च, 2022 को राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने उत्तर प्रदेश विधानसभा के प्रोटेम स्पीकर के रूप में रमापति शास्त्री की नियुक्ति की।

प्रमुख बिंदु

- हाल ही में संपन्न हुए विधानसभा चुनावों में गोंडा की मनकापुर विधानसभा सीट से निर्वाचित होने वाले रमापति शास्त्री सदन के वरिष्ठतम सदस्यों में से एक हैं।
- रमापति शास्त्री उत्तर प्रदेश की सरकार में जून 1991 से दिसंबर 1992, सितंबर 1997 से नवंबर 1999 तथा मार्च 2017 से वर्तमान तक तीन बार मंत्री रह चुके हैं।

नोट :

- उल्लेखनीय है कि जब पिछली विधानसभा का अध्यक्ष नवनिर्वाचित विधानसभा की पहली बैठक से ठीक पहले अपना पद खाली कर देता है, तो राज्यपाल विधानसभा के एक सदस्य को प्रोटेम स्पीकर के रूप में नियुक्त करता है, जो कि सामान्यत: सदन का सबसे वरिष्ठ सदस्य होता है।
- इसका प्रमुख कार्य नए सदस्यों को शपथ दिलाना और सदन को नए अध्यक्ष का चुनाव करने में सक्षम बनाना है।
- जब सदन द्वारा नए अध्यक्ष का चुनाव कर लिया जाता है, तब प्रोटेम स्पीकर का कार्यकाल समाप्त हो जाता है।

योगी आदित्यनाथ लगातार दूसरी बार बने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री

चर्चा में क्यों ?

- 25 मार्च, 2022 को योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ के 'प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम'में दूसरी बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई।

प्रमुख बिंदु

- कुल 52 लोगों ने मंत्री पद की शपथ ली, जिनमें 16 कैबिनेट मंत्री, 14 राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), 20 राज्यमंत्री तथा 2 उपमुख्यमंत्री शामिल हैं। उपमुख्यमंत्री के रूप में ब्रजेश पाठक और केशव प्रसाद मौर्य ने शपथ ली।
- योगी की नई कैबिनेट में 38 विधायकों को मंत्री बनाया गया है। वहीं, 9 MLC भी मंत्री बनाए गए हैं। जबकि 5 नाम ऐसे हैं, जो न तो विधायक हैं, न ही MLC हैं। इन्हें अगले 6 महीने में सदन की सदस्यता लेनी होगी।
- उल्लेखनीय है कि योगी आदित्यनाथ पिछले 37 वर्षों में उत्तर प्रदेश में एक कार्यकाल पूरा करने के बाद दोबारा सत्तारूढ़ होने वाले पहले मुख्यमंत्री हैं।
- ध्यातव्य है कि 10 मार्च, 2022 को घोषित चुनाव परिणाम में भारतीय जनता पार्टी ने अपने सहयोगियों के साथ 273 सीटों पर जीत दर्ज कर पूर्ण बहुमत हासिल किया था।

उड़ान-आरसीएस के अंतर्गत वाराणसी-गोरखपुर के बीच दैनिक सीधी उड़ान का शुभारंभ

चर्चा में क्यों ?

- 27 मार्च, 2022 को केंद्रीय नागर विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में आरसीएस-उड़ान 4.1 के अंतर्गत स्पाइसजेट की गोरखपुर-वाराणसी की पहली सीधी उड़ान का वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के ज़रिये उद्घाटन किया गया।

प्रमुख बिंदु

- स्पाइसजेट एयरलाइन दैनिक उड़ानों का संचालन करेगी। स्पाइसजेट भारत का सबसे बड़ा क्षेत्रीय विमान वाहक है। यह उड़ान योजना के अंतर्गत देश के विभिन्न हिस्सों में 14 यूडीएएन गंतव्यों को जोड़ने वाली 63 दैनिक उड़ानें संचालित करता है।
- केंद्रीय नागर विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बताया कि उत्तर प्रदेश में वर्तमान में कुल 9 हवाई अड्डे स्थापित हो गए हैं। भविष्य में सहारनपुर, मुरादाबाद, अलीगढ़, आज़मगढ़, श्रावस्ती, चित्रकूट और सोनभद्र में 7 नए हवाई अड्डे तथा नोएडा और अयोध्या में 2 नए अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे स्थापित किये जाएंगे। इससे उत्तर प्रदेश में 18 घरेलू और 5 अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे हो जाएंगे।
- गौरतलब है कि वाराणसी उत्तर भारत का एक सांस्कृतिक केंद्र है और दुनिया के सबसे पुराने लगातार बसे हुए शहरों में से एक है, जो गंगा नदी के किनारे स्नान घाटों के लिये प्रसिद्ध है। वाराणसी में सबसे उल्लेखनीय मंदिर काशी विश्वनाथ, संकट मोचन मंदिर और दुर्गा मंदिर हैं।
- वाराणसी लंबे समय से शैक्षिक और संगीत का केंद्र रहा है। कई प्रमुख भारतीय दार्शनिक, कवि, लेखक और संगीतकार इस शहर में रहते हैं या रहते थे। इसके अलावा यहाँ भारत का पहला आवासीय विश्वविद्यालय, 'बनारस हिंदू विश्वविद्यालय' है।

नोट :

- गोरखपुर राप्ती नदी के किनारे नेपाल सीमा के पास स्थित है और गोरखनाथ मठ एवं गोरखनाथ मंदिर, नाथ संप्रदाय और अन्य हिंदू, जैन, बौद्ध एवं सिख संतों का केंद्र होने के कारण एक प्रसिद्ध स्थल केंद्र भी है।
- उल्लेखनीय है कि उड़े देश का आम नागरिक (उड़ान) को वर्ष 2016 में नागरिक उड्डयन मंत्रालय के तहत एक क्षेत्रीय कनेक्टिविटी योजना (आरसीएस) के रूप में शुरू किया गया था इसके तहत पूर्व में उड़ान 1.0, उड़ान 2.0, उड़ान 3.0, उड़ान 3.1 तथा उड़ान 4.0 योजना चलाई गई।
- नागर विमानन मंत्रालय वर्ष 2025 तक उड़ान आरसीएस योजना के तहत 1,000 नए मार्गों के साथ भारत में कुल हवाई अड्डों को 100 नए हवाई अड्डों तक ले जाने के लिये 34 नए हवाई अड्डों का निर्माण करने की योजना बना रहा है।

कल्याण सिंह को मरणोपरांत मिला पद्म विभूषण

चर्चा में क्यों ?

- 28 मार्च, 2022 को राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने कल्याण सिंह (मरणोपरांत) को पद्म विभूषण से सम्मानित किया। यह सम्मान उनके पुत्र राजवीर सिंह ने राष्ट्रपति के हाथों ग्रहण किया।

प्रमुख बिंदु

- राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने राष्ट्रपति भवन में आयोजित वर्ष 2022 के नागरिक अलंकरण समारोह- II में अन्य 64 विभूतियों को पद्म सम्मान (पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्मश्री) प्रदान किया।
- अलंकरण समारोह में प्रमुख व्यक्तित्वों में शास्त्रीय गायिका डॉ. प्रभा अत्रे और कल्याण सिंह (मरणोपरांत) को पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया।
- पद्म भूषण प्राप्तकर्त्ताओ में अभिनेता विक्टर बनर्जी, डॉ. संजय राजाराम (मरणोपरांत), डॉ. प्रतिभा रे तथा आचार्य वशिष्ठ त्रिपाठी के संग डॉ. कृष्णमूर्ति एल्ला और सुचित्रा कृष्णा एल्ला (युग्म में) शामिल हैं।
- इससे पहले 21 मार्च, 2022 को नागरिक अलंकरण समारोह-I में राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद द्वारा 54 हस्तियों को पद्म सम्मान प्रदान किया गया था।
- गौरतलब है कि विभिन्न विषयों/क्षेत्रों, जैसे- कला, सामाजिक कार्य, जन कार्य, विज्ञान एवं अभियांत्रिकी, व्यापार एवं उद्योग, औषधि, साहित्य एवं शिक्षा, खेल, नागरिक सेवा आदि के लिये ये पुरस्कार तीन श्रेणियों- पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्मश्री में प्रदान किये जाते हैं।
- 'पद्म विभूषण' उत्कृष्ट और विशिष्ट सेवा के लिये; 'पद्म भूषण' उच्चस्तरीय विशिष्ट सेवा के लिये और 'पद्मश्री' किसी भी क्षेत्र में विशिष्ट सेवा के लिये दिये जाते हैं।
- पुरस्कारों की घोषणा प्रत्येक वर्ष गणतंत्र दिवस के अवसर पर की जाती है। राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में राष्ट्रपति पुरस्कार प्रदान करते हैं।
- इस वर्ष कुल 128 पद्म पुरस्कार दिये गए हैं, जिनमें दो युग्म पुरस्कार (युग्म पुरस्कारों को एकल पुरस्कार गिना जाता है) शामिल हैं। पुरस्कृतों की सूची में चार पद्म विभूषण, 17 पद्म भूषण और 107 पद्मश्री पुरस्कार हैं।
- पुरस्कृतों में 34 महिलाएँ हैं। सूची में विदेशी/एनआरआई/पीआईओ/ओसीआई वर्ग के 10 लोग शामिल हैं। इनके अलावा 13 लोगों को मरणोपरांत पुरस्कार दिये गए।

उत्तर प्रदेश की छह जातियों को एसटी में शामिल करने का विधेयक पेश

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में उत्तर प्रदेश की छह जातियों- गोंड, धुनिया, नायक, ओझा, पठारी और राजगोड़ को अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा दिलाने हेतु विधेयक लोकसभा में पेश किया गया।

नोट :

प्रमुख बिंदु

- गौरतलब है कि अनुसूचित जनजाति की सूची में संशोधन से संबंधित तीन विधेयक संसद में विचाराधीन हैं।
- अनुसूचित जनजाति संशोधन विधेयक, 2022 में उत्तर प्रदेश के संत कबीर नगर, कुशीनगर, चंदौली, संत रविदास नगर में रहने वाली गोंड जाति को अनुसूचित जाति (एससी) की सूची से बाहर कर अनुसूचित जनजाति (एसटी) की सूची में शामिल करने का प्रावधान है।
- इसके अलावा संत कबीर नगर, कुशीनगर, चंदौली और संत रविदास नगर में रहने वाली धुनिया, नायक, ओझा पठारी और राजगोड़ को भी अनुसूचित जनजाति में शामिल करने का प्रावधान इस विधेयक में किया गया है।
- उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश के 13 ज़िलों (महराजगंज, सिद्धार्थ नगर, बस्ती, गोरखपुर, देवरिया, मऊ, आज़मगढ़, जौनपुर, बलिया, गाज़ीपुर, वाराणसी, मिर्ज़ापुर और सोनभद्र) में इन जातियों को पहले से ही अनुसूचित जनजाति का दर्जा मिला हुआ है।
- गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश की 15 जातियाँ वर्तमान में अनुसूचित जनजाति की सूची में शामिल हैं।

तीसरा राष्ट्रीय जल पुरस्कार : उत्तर प्रदेश सर्वश्रेष्ठ राज्य

चर्चा में क्यों ?

- 29 मार्च, 2022 को राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने विज्ञान भवन, नई दिल्ली में तीसरे राष्ट्रीय जल पुरस्कार वितरण समारोह में जल संरक्षण की दिशा में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिये 'सर्वश्रेष्ठ राज्य' श्रेणी में उत्तर प्रदेश को पहला पुरस्कार प्रदान किया।

प्रमुख बिंदु

- राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने तीसरे राष्ट्रीय जल पुरस्कार विजेताओं को सम्मानित करने के साथ ही जल शक्ति अभियान: कैच द रेन कैंपेन 2022 का शुभारंभ किया।
- इस अवसर पर भारत के अंतर्राष्ट्रीय जल संसाधन कार्यक्रम 'इंडिया वाटर वीक-2022' (आईडब्ल्यूडब्ल्यू- 2022) के 7वें संस्करण की प्रथम सूचना विवरणिका जारी की गई। इसका आयोजन 1-5 नवंबर, 2022 को इंडिया एक्सपो सेंटर, ग्रेटर नोएडा में किया जाएगा।
- जल शक्ति मंत्रालय के जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग द्वारा राज्यों, संगठनों, व्यक्तियों आदि को 11 अलग-अलग श्रेणियों में 57 पुरस्कार दिये गए।
- इन श्रेणियों में सर्वश्रेष्ठ राज्य, सर्वश्रेष्ठ ज़िला, सर्वश्रेष्ठ ग्राम पंचायत, सर्वश्रेष्ठ शहरी स्थानीय निकाय, सर्वश्रेष्ठ मीडिया (प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक), सर्वश्रेष्ठ स्कूल, सर्वश्रेष्ठ संस्थान/आरडब्ल्यूए/कैंपस उपयोग के लिये धार्मिक संगठन, सर्वश्रेष्ठ उद्योग, सर्वश्रेष्ठ एनजीओ, सर्वश्रेष्ठ जल उपयोगकर्त्ता संघ और सीएसआर गतिविधि के लिये सर्वश्रेष्ठ उद्योग शामिल हैं।
- इनमें से कुछ श्रेणियों में देश के विभिन्न क्षेत्रों के लिये उप-श्रेणियाँ भी हैं। विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कार विजेताओं को प्रशस्ति-पत्र, ट्रॉफी और नकद पुरस्कार दिया गया।
- राजस्थान और तमिलनाडु को 'सर्वश्रेष्ठ राज्य' श्रेणी में क्रमश: दूसरा और तीसरा पुरस्कार मिला है।
- उल्लेखनीय है कि जल शक्ति मंत्रालय द्वारा पहला राष्ट्रीय जल पुरस्कार 2018 में शुरू किया गया था। जल आंदोलन को जन आंदोलन में बदलने के लिये 2019 में जल शक्ति अभियान और जल जीवन मिशन शुरू किया गया था, जिसमें कई पुनर्भरण संरचनाएँ बनाई गईं और इसमें करोड़ों लोग शामिल हुए।
- जल शक्ति अभियान-II: 'कैच द रेन, ह्वेयर इट फॉल्स, व्हेन इट फॉल्स'को प्रधानमंत्री द्वारा 22 मार्च, 2021 को विश्व जल दिवस के अवसर पर शुरू किया गया था, जिसे प्री-मानसून और मानसून अवधि, यानी मार्च 2021 से 30 नवंबर, 2021 के दौरान देश के सभी ज़िलों (ग्रामीण और साथ ही शहरी क्षेत्रों) में चलाया गया था।
- जल शक्ति अभियान: कैच द रेन 2022 में कुछ नई विशेषताएँ जोड़ी गई हैं, जैसे- स्प्रिंग शेड विकास, जलग्रहण क्षेत्रों की सुरक्षा, जल क्षेत्र में लैंगिक मुख्यधारा। जल क्षेत्र में लैंगिक मुख्यधारा शामिल किये जाने से जल संरक्षण और प्रबंधन में महिलाओं की भूमिका को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

नोट :

उत्तर प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष बने सतीश महाना

चर्चा में क्यों ?

- 29 मार्च, 2022 को भाजपा के वरिष्ठ नेता सतीश महाना को उत्तर प्रदेश की अठारहवीं विधानसभा का निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया।

प्रमुख बिंदु

- सदन में निर्वाचन की घोषणा प्रोटेम स्पीकर रमापति शास्त्री ने की।
- पंडित हृदय नारायण दीक्षित की जगह लेने वाले पूर्व कैबिनेट मंत्री सतीश महाना उत्तर प्रदेश विधानसभा के 23वें और व्यक्ति के रूप में 18वें अध्यक्ष हैं।
- सतीश महाना महाराजपुर (कानपुर) से लगातार आठवीं बार विधायक चुने गए हैं। वे पहली बार 1991 में उत्तर प्रदेश विधानसभा के लिये चुने गए थे।
- उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश विधानसभा के पहले अध्यक्ष पुरुषोत्तम दास टंडन थे। केसरीनाथ त्रिपाठी सर्वाधिक 13 साल तक अध्यक्ष के पद पर आसीन हुए थे।

लोक निर्मला सम्मान-2022

चर्चा में क्यों ?

- 30 मार्च, 2022 को उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने लोक गायिका शारदा सिन्हा को लोक निर्मला सम्मान प्रदान किया।

प्रमुख बिंदु

- उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी में सोन चिरैया संस्था की ओर से आयोजित उत्सवी शाम में शारदा सिन्हा को सम्मान के साथ 1 लाख रुपए प्रदान किये गए।
- उल्लेखनीय है कि लोक निर्मला सम्मान की शुरुआत सोन चिरैया संस्था की सचिव मालिनी अवस्थी ने अपनी माँ निर्मला अवस्थी की स्मृति में वर्ष 2020 में की थी।
- शारदा सिन्हा भारतीय मैथिली लोक गायिका हैं। इन्हें वर्ष 2018 में पद्मभूषण एवं 1991 में पद्मश्री पुरस्कार प्रदान किया गया था।

नोट :